यूपी-जापान समिट 2026

निवेश को मिलेगी रफ्तार

उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख औद्योगिक और वैश्विक निवेश केंद्र बनाने के अभियान को जापान के साथ आर्थिक साझेदारी से नई रफ्तार मिलने जा रही है। 18-23 अगस्त तक आयोजित 'यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026' में जापान के 200 बड़े कारोबारी, सीईओ, कारोबारी प्रतिनिधि और नीति-निर्माता शामिल हुए। यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आया उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली और लखनऊ में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से मंथन किया। मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, ग्रीन-क्लीन एनर्जी, ऑटोमोबाइल, डेटा सेंटर, आईटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा। योगी सरकार की कोशिश जापानी कंपनियों की रुचि को सिर्फ निवेश प्रस्तावों तक सीमित न रखकर तकनीकी हस्तांतरण एव संयुक्त परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में बदलने की है। यह सम्मेलन यूपी के 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में अहम पड़ाव माना जा रहा है।

जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी के साथ वार्ता में शामिल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 की प्रमुख बातें

- 18 से 23 अगस्त तक 'यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026' का आयोजन
- मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व पर्यटन में निवेश पर महामंथन
- यमानाशी के गवर्नर कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आया उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल'
- सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने जापानी प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत
- एस्कॉर्ट्स कुबोटा और मिंडा की 3,191 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से 10 हजार से अधिक रोजगार की उम्मीद
- सीएम योगी के विजन से यीडा में 500 एकड़ में आकार लेगी 'जापानी सिटी'
- जापान की यूपी में बढ़ती रुचि को निवेश, तकनीकी साझेदारी, विनिर्माण परियोजनाओं और रोजगार के अवसरों में बदलना है कार्यक्रम का उद्देश्य
- 200 से अधिक जापानी दिग्गज दिल्ली व यूपी के शहरों में तलाशेंगे अवसर
- उत्तर प्रदेश का बेहतर बुनियादी ढांचा, कुशल कार्यबल और निवेश अनुकूल माहौल जापानी कंपनियों के लिए बेहतर अवसर
- उत्तर प्रदेश जापानी निवेशकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध

साझेदारी का विस्तार. निवेश को प्रोत्साहन. भविष्य का निर्माण.

THINK BIG
THINK U.P.

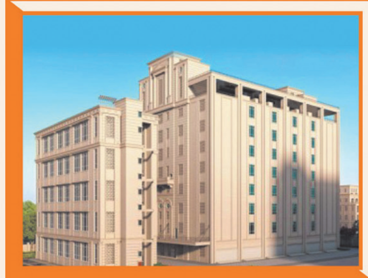

यूपी में जापानी निवेश का महामंथन

18 से 23 अगस्त तक कार्यक्रम

इन्वेस्ट यूपी द्वारा 18 से 23 अगस्त तक आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम नई दिल्ली, लखनऊ, आगरा, नोएडा और वाराणसी में हो रहा है। कार्यक्रम में जापानी कंपनियों के प्रतिनिधियों को केंद्र-राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग जगत व शिक्षण संस्थानों के साथ अलग-अलग सत्र में सीधे संवाद करेंगे। जहां विभिन्न क्षेत्रों में निवेश, संयुक्त उद्यम और तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं को ठोस परियोजनाओं में बदलने पर चर्चा होगी। योगी सरकार की कोशिश है कि इस रणनीतिक जुड़ाव से जापान के साथ यूपी की आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई मिले। मुख्य यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 21 अगस्त को लखनऊ में आयोजित हुई। लखनऊ में उत्तर प्रदेश-जापान इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन हुआ जहां निवेश पर सार्थक चर्चा के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री आवास पर भारत-जापान की युवा पीढ़ी का मिलन हुआ। 'ए डायलॉग विद द फ्यूचर' से दोस्ती और भविष्य का संदेश यूपी और जापान के विद्यार्थियों ने दिया। जिसमें बी2जी और बी2बी सत्र हुए। जहां विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ग्रीन एनर्जी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, कौशल विकास और पर्यटन चर्चा के प्रमुख क्षेत्र रहें। 200 से अधिक जापानी उद्योगपतियों की भागीदारी वाला यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 यूपी एवं जापान के बीच निवेश आधारित साझेदारी को गति देने की दिशा में अहम कदम है।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा करेगी 2,025 करोड़ रुपये का निवेश

यीडा क्षेत्र यूपी में जापानी मैन्युफैक्चरिंग के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यीडा के सेक्टर-10 में एस्कॉर्ट्स कुबोटा की 2,025 करोड़ रुपये की परियोजना में ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व इससे संबंधित उत्पादों का निर्माण होगा। प्रोजेक्ट से घरेलू बाजार के साथ निर्यात की मांग पूरी करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही 4 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे।

मिंडा की दो परियोजनाओं में 1,166 रुपये करोड़ का निवेश

मिंडा कॉरपोरेशन भी यीडा में दो महत्वपूर्ण परियोजनाएं सेक्टर 10 व सेक्टर 24 में स्थापित करेगी। दोनों परियोजनाओं में कुल 1,166 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इनसे करीब 6,440 रोजगार सृजित होने की संभावना है। इन परियोजनाओं में इग्निशन स्विच-कम-स्टियरिंग लॉक, मेकाट्रॉनिक कंपोनेंट्स, वायरिंग हार्नेस और संबंधित कनेक्शन सिस्टम का निर्माण होगा।

500 एकड़ की 'जापानी सिटी' बनेगी मैन्युफैक्चरिंग का नया केंद्र

औद्योगिक इकोसिस्टम को और विस्तार देने के लिए सरकार ने यीडा में 500 एकड़ भूमि पर जापानी सिटी विकसित करेगी। यह जापानी कंपनियों के साथ सप्लायर्स व सहायक उद्योगों के लिए एक समेकित औद्योगिक आधार के रूप में विकसित होगा। जापानी सिटी के जरिये बड़े उद्योगों के आसपास पूरी सप्लाई चेन विकसित करने की तैयारी है। इससे तकनीकी हस्तांतरण, सप्लाई-चेन इंटीग्रेशन व एंसीलरी उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने के साथ अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

ग्रीन हाइड्रोजन से सेमीकंडक्टर तक निवेश के अवसर

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट में भविष्य की अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। ग्रीन एनर्जी के तहत अक्षय ऊर्जा, क्लीन टेक्नोलॉजी और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश की संभावनाओं पर जापानी कंपनियों के साथ चर्चा होगी। मैन्युफैक्चरिंग व ऑटोमोटिव सेक्टर में ऑटो कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर प्रमुख क्षेत्र होंगे। वहीं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में जापानी निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी।

विकास की गति अपार - डबल इंजन सरकार

ADVERTORIAL